nt>

Title: Need to have a stringent law to check sale of spurious drugs in the country.

अध्यक्ष महोदय : श्री रामजीलाल सुमन, ब्रीफली बोलिए, ज्यादा समय नहीं है।

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : मैं संक्षेप में ही बोलूंगा।

अध्यक्ष महोदय, अंग्रेजी दवाओं का अवैध कारोबार बड़े पैमाने पर हो रहा है। अमरीका और यूरोप के देशों ने जिन घातक दवाओं के प्रयोग पर पाबंदी लगाई थी, पेटेंटधारी व बहुराट्रीय कम्पनियों ने भारत जैसे देश को वे दवाएं बेचने का अड्डा बना लिया है। जहां अमरीका और यूरोप, जिन्होंने वहां उन दवाओं पर पाबंदी लगा दी है, वे हमारे देश के बाजारों में बिक रही हैं। वहीं बाजार में जो दवाएं बिक रही हैं, उनमें से 35 प्रतिशत नकली दवाएं हमारे देश में ही बनती हैं। ऐसा कोई दिन नहीं होता जिस दिन नकली दवाएं पकड़े जाने के समाचार समाचार पत्रों में न छपते हों। अभी हाल ही में गाज़ियाबाद के साहिबाबाद में 7 करोड़ रुपये की नकली दवाएं पकड़ी गईं। इंदौर के आवासीय क्षेत्र में दवाओं का बीस वां पुराना अवैध कारखाना पकड़ा गया है। अलीगढ़ और आगरा में अभी छापे पड़े हैं जहां से करोड़ों रुपये की अ वैध दवाएं बरामद हुई हैं। उन दवाओं का बहुत ही बुरा प्रभाव लोगों के ऊपर हो रहा है।

मैं आपके माध्यम से एक निवेदन जरूर करना चाहूंगा कि जो घातक अवैध अंग्रेजी दवाएं बिक रही हैं, उनके लिए सख्त कानून बनाने के लिए, जब एनडीए की सरकार थी, तब उस समय की स्वास्थ्य मंत्री श्रीमती सुामा स्वराज ने कहा था कि हम बहुत कठोर कानून बनाने वाले हैं और उसके लिए मृत्यु दंड का प्रावधान होगा। अभी राज्य सभा में इस सरकार ने कहा है कि नकली दवाएं खतरनाक रूप से ज्यादा नहीं बढ़ रही हैं।

यह बहुत गंभीर मामला है। इसके लिए दंड का जो प्रावधान है, वह बहुत ही लचीला और कम है। जब उस साइड के लोग सरकार में थे तब उन्होंने वायदा किया था कि हम इस संबंध में एक बिल लायेंगे जिसमें बहुत ही सख्त कानून का प्रावधान करेंगे। यह सरकार भी कहती है कि उस बिल का मसौदा तैयार हो गया है।

अध्यक्ष महोदय, इस अनिश्चितता के वातावरण में ज्यादा समय तक नहीं रहा जा सकता। हम जरूर जानना चाहेंगे कि सरकार यह बिल कब तक लायेगी क्योंकि इन घातक दवाइयों से लोगों की जिंदगी बच नहीं रही है। यह जहर बिक रहा है। इससे लोगों की जिंदगी दुश्वार हो गयी है। मैं जानना चाहता हूं कि सरकार यह बिल कब तक लायेगी ?

MR. SPEAKER: The Minister may take note of this very important issue.